बच्चों को ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर अधिक संरक्षण की आवश्यकता

sanskritiias.com/hindi/news-articles/children-need-more-protection-on-online-platforms

(प्रारंभिक परीक्षा- राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय महत्त्व की सामयिक घटनाएँ)
(मुख्य परीक्षा, सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र- 1/2/3: विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी- विकास एवं अनुप्रयोग, सूचना प्रौद्योगिकी, अंतरिक्ष, कंप्यूटर के संबंध में जागरूकता)

संदर्भ

- महामारी के कारण लाखों बच्चों और किशोरों को ऑनलाइन गैजेट्स का अत्यधिक प्रयोग करना पड़ रहा है। वे ऑनलाइन कक्षाओं और इंटरैक्टिव सत्रों से लाभान्वित हो रहे हैं।
- हालाँकि, इस दौरान बच्चों को वर्ल्ड वाइड वेब के नकारात्मक पहलूओं का भी सामना करना पड़ रहा है। इसी संदर्भ में गूगल ने 18 वर्ष से कम आयु के उपयोगकर्ताओं (Users) को ऑनलाइन सुरक्षा प्रदान करने के लिये कई उपायों की घोषणा की है।

गूगल की योजना

- गूगल अपने प्लेटफॉर्म पर बच्चों और किशोरों को सुरक्षित रखने के लिये कई मोर्चों पर काम कर रहा है। यह अवयस्कों (Minors) को 'उनके डिजिटल फुटप्रिंट पर अधिक नियंत्रण' प्रदान कर रहा है।
- इस सेगमेंट के लिये गूगल 'उत्पाद आधारित अनुभवों' को भी समाहित कर रहा है और विज्ञापनों में बदलावों के साथ-साथ डिजिटल देखभाल टूल (Digital well-being Tools) की भी घोषणा की है।

अवयस्कों को अधिक नियंत्रण प्रदान करना

- गूगल ने अपनी नई नीति में घोषणा की है कि 18 वर्ष से कम आयु के उपयोगकर्ताओं और उनके माता-पिता या अभिभावक गूगल के छवि परिणामों (Image Results) से अपनी तस्वीरों (Photos) को हटाने का अनुरोध करने में सक्षम होंगे।
- हालाँकि, यह केवल खोज परिणामों (Search Results) से छवियों को हटाएगा, न कि इसे होस्ट करने वाली वेबसाइट को। इससे अवयस्कों के ऑनलाइन जोखिम को कम करने में एक लंबा रास्ता तय करना होगा।

गूगल के उत्पादों का अपडेट

- यूट्यूब पर अवयस्कों द्वारा अपलोड किया गया कोई भी वीडियो अब डिफ़ॉल्ट रूप से 'प्राइवेट मोड' (Private Mode) में होगा। इसके साथ ही यूट्यूब इस सेगमेंट के लिये और अधिक डिजिटल वेल-बीइंग कंटेंट लाएगा और बच्चों को इस प्लेटफॉर्म पर व्यावसायिक सामग्री (Content- कंटेंट) के बारे में भी सिखाएगा।
- गूगल सर्च की स्थिति में 'सेफ सर्च' 18 वर्ष से कम आयु के सभी उपयोगकर्ताओं के लिये डिफ़ॉल्ट रूप से चालू हो जाएगी। सेफ सर्च स्पष्ट परिणामों को फ़िल्टर करता है। वर्तमान में यह केवल 13 वर्ष से कम आयु के उपयोगकर्ताओं के लिये ही लागू है।
- यह गूगल सुइट (वर्तमान में गूगल वर्कप्लेस) पर उपस्थित स्कूल एकाउंट्स के लिये भी डिफ़ॉल्ट रूप से शुरू हो जाएगा। गूगल असिस्टेंट के माध्यम से अवयस्क उपयोगकर्ताओं के पास स्मार्ट डिस्प्ले सहित वयस्क सामग्री से बचाव के लिये 'डिफ़ॉल्ट सुरक्षा' भी होगी।
- इसके अलावा, जल्द ही अवयस्कों की 'लोकेशन हिस्ट्री' (Location History) स्वत: (बाई डिफ़ॉल्ट: By Default) बंद (Turned Off) हो जाएगी और बिना किसी की देखरेख के इसे शुरू करने का कोई विकल्प मौजूद नहीं होगा।
- ऐप्स के मामले में 'गूगल प्ले' अभिभावकों को यह बताएगा कि कौन से ऐप्स उनकी पारिवारिक नीतियों का पालन करते हैं, जिससे अभिभावक बच्चों के लिये उपयुक्त ऐप के प्रयोग को सुनिश्चित कर सकेंगे।
- साथ ही, विशेष आयु-वर्ग के प्रति संवेदनशील विज्ञापन अब किशोरों को नहीं दिखाए जाएँगे और विज्ञापनदाता आयु, लिंग या स्थान का उपयोग करके 18 वर्ष से कम आयु के उपयोगकर्ताओं के लिये अपने उत्पादों को लक्षित करने में सक्षम नहीं होंगे।
- नए डिजिटल वेल-बीइंग टूल्स के साथ-साथ गूगल अवयस्कों के लिये सर्वोत्तम डाटा प्रथाओं का पता लगाने के लिये आसानी से समझ में आने वाली सामग्री भी जारी करेगा। नए डिजिटल वेल-बीइंग टूल्स उपयोगकर्ताओं को 'समाचार, पॉडकास्ट और वेब' से सामग्री को फ़िल्टर करने की अनुमति देता है।

कारण

- सर्च इंजन गूगल सहित अन्य बड़ी तकनीकी कंपनियों पर अवयस्क उपयोगकर्ताओं को बेहतर सुरक्षा उपाय प्रदान करने का दबाव है। अमेरिका में वर्ष 1998 के 'बाल ऑनलाइन गोपनीयता संरक्षण अधिनियम' को जल्द ही 18 वर्ष तक के बच्चों को कवर करने के लिये अपडेट किया जा सकता है। वर्तमान में यह 13 वर्ष से कम आयु के बच्चों पर नज़र रखने और लक्ष्य करने को प्रतिबंधित करता है।
- वर्ष 2019 में गूगल को इस अधिनियम का उल्लंघन करने और माता-पिता की सहमति के बिना बच्चों का डाटा एकत्र करने के लिये $170 मिलियन का जुर्माना देना पड़ा था।
- फेसबुक के स्वामित्व वाले इंस्टाग्राम ने भी हाल ही में ऐसे बदलाव किये हैं, जिसके तहत किशोरों के लिये बहुत सारी सुविधाओं को डिफ़ॉल्ट रूप से प्राइवेट बना दिया गया है।